



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 183]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 27, 1992/वैशाख 7, 1914

No. 183]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 27, 1992/VAISAKHA 7, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(व्यय विभाग)

महालेखा नियंत्रक

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1992

सा.का.नि. 434(अ).—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के
परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय सिविल लेखा
सेवा (समूह "क") भर्ती नियम, 1977 का और संशोधन करने के लिए
निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय सिविल लेखा सेवा
(समूह "क") भर्ती (संशोधन) नियम, 1992 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- भारतीय सिविल लेखा सेवा (समूह "क") भर्ती नियम, 1977 में,—
(क) नियम 6 में उप-नियम (3) और उसके परन्तु क के स्थान पर
निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—
(3) सेवा में कुल कर्तव्य पदों का 33½ प्रतिशत, छुट्टी,
प्रशिक्षण और पर्यवेक्षणाधीन आरक्षित को छोड़कर

उपनियम (1) के खंड (ख) में यथानिर्दिष्ट प्रोन्नति
द्वारा भरा जाएगा और शेष पद उपनियम (1) के खंड
(क) में यथा उल्लिखित प्रतियोगी परीक्षा द्वारा भरे
जाएंगे:

परन्तु यह कि सरकार आयोग के पूर्व अनुमोदन से
उप-नियम (1) के खंड (ग) और खंड (घ) में निर्दिष्ट
पद्धतियों द्वारा सेवा में अभ्यर्थियों की भर्ती कर सकेगी
और जब भर्ती इन खंडों के अधीन की जाती है तथा
इस प्रकार भर्ती किए गए व्यक्तियों की संख्या को उप-
नियम (1) के खंड (क) में निर्दिष्ट पद्धति के अधीन
भरी गई रिक्तियों की प्रतिशतता के हिसाब में लिया
जाएगा;

[(ख) नियम 20 के उपनियम (1) में खंड (झ) के स्थान पर
निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

(झ) सेवा के कनिष्ठ, समय वेतनमान में प्रोन्नति द्वारा
निर्धुक्त अधिकार के परामर्श से केन्द्रीय सिविल सेवा (समूह
"ख") के ऐसे प्राप्त वेतन और लेखा अधिकारी समूह
"ख" में से गुणावर्ग पर चयन द्वारा की जाएगी

जिन्होंने उस पद पर नियमित आधार पर नियुक्त के पश्चात् उस श्रेणी में पांच वर्ष अग्रपूत सेवा की है, जिसमें उनके द्वारा भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग या मुख्य वेतन और लेखा अधिकारियों संगठन में लेखा अधिकारियों के रूप में की गई सेवा सम्मिलित है।

(ग) नियम 22 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“ 22 ज्येष्ठता. (1) सेवा के प्रारम्भिक गठन पर सेवा में नियुक्त किए गए व्यक्तियों का पारस्परिक ज्येष्ठता का क्रम वह होगा जो भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा में है।

(2) प्रारम्भिक गठन के पश्चात् सेवा में नियुक्त किए गए व्यक्तियों की पारस्परिक ज्येष्ठता नीचे उल्लिखित सिद्धान्तों के अनुसार अवधारित की जाएगी:—

(क) किसी वर्ष में सेवा के कनिष्ठ समय वेतनमान के पदों में आयोग द्वारा संचालित प्रतियोगी परीक्षा के आधार पर नियुक्त किए गए व्यक्तियों का पारस्परिक रैंक वह होगा जो उन का उन परीक्षा में है जिसके आधार पर उन्हें भर्ती किया गया है। ये व्यक्ति जिन्हें किम्पू पूर्वतर परीक्षा के आधार पर भर्ती किया गया है उन सभी व्यक्तियों से रैंक में ज्येष्ठ होंगे जिन्हें किसी पश्चात्पूर्वी परीक्षा के आधार पर भर्ती किया गया है:

परन्तु यह कि आयोग द्वारा की गई प्रतियोगी परीक्षा के द्वारा भर्ती किए गए ऐसे व्यक्तियों की ज्येष्ठता:—

(i) उनके मामले में नियुक्ति का प्रस्ताव रद्द किए जाने के पश्चात् किया गया है: या

(ii) जिन्हें विधिवान् कारणों से प्रारम्भ में नियुक्त नहीं किया गया है किन्तु उन्हें पश्चात्पूर्वी परीक्षा या परीक्षाओं के परिणाम के आधार पर भर्ती किए गए अभ्यर्थियों की नियुक्ति के पश्चात् नियुक्त किया गया है: वह होगा जो सरकार द्वारा आधारित की जाए।

(ख) सेवा का सभी श्रेणियों में प्रोन्नति द्वारा नियुक्त किए गए व्यक्तियों की पारस्परिक ज्येष्ठता का अवधारण चयन सूची में उनकी स्थिति के क्रम में किया जाएगा: किसी पूर्वतर चयन के आधार पर प्रोन्नत व्यक्ति उन व्यक्तियों से रैंक में ज्येष्ठ होंगे जो किसी पश्चात्पूर्वी चयन के आधार पर प्रोन्नत किए गए हैं।

(ग) नियम 6 के उपनियम (1) के खंड (ख) के निबंधनों के अनुसार सेवा में नियुक्त किए गए अधिकारियों को उक्त वर्ग में प्रतियोगी परीक्षा के द्वारा नियुक्त अधिकारियों से ज्येष्ठता में दो वर्ष की बरीयता दी जाएगी।

(घ) किसी विशेष वर्ष में प्रतियोगी परीक्षा के द्वारा नियुक्त किए गए अधिकारियों और खंड (ग) के निबंधनों के अनुसार बरीयता अनुज्ञात करने के पश्चात् उस वर्ष प्रोन्नति किए गए अधिकारियों में से पश्चात् कथित अधिकारियों को उस वर्ष में सीधे भर्ती किए गए कनिष्ठतम व्यक्ति से, सामूहिक रूप से नीचे रखा जाएगा।

(ङ) नियम 6 के उपनियम (1) के खंड (ग) के निबंधनों के अनुसार ऐसे व्यक्तियों की दशा में जिसे प्रतिनियुक्ति पर प्रारम्भ में लिया गया है और तत्पश्चात् उन्नीत कर लिया जाता है, उस श्रेणी में उनकी ज्येष्ठता जिसमें

उसे आमेलित किया गया है साधारण रूप से उम तारीख से की जाएगी जिससे उसे आमेलित किया जाता है। यदि वह आमेलन की तारीख की पहली से हो वही या समतुल्य श्रेणी में किसी नियमित आधार पर अपने मूल विभाग में पद धारण किए हुए हैं तो उसकी ऐसी नियमित सेवा को भी उनको ज्येष्ठता को नियत करने में इस बात के अधीन रहने हुए कि उसे निम्नलिखित तारीख से ज्येष्ठता दी जाएगी, हिसाब में लिया जाएगा,—

(घ) वह तारीख जिसको वह प्रतिनियुक्ति पर पद धारण किए हुए हैं, या

(ग) उस तारीख से जिसको उसे उसके मूल विभाग में, उसी या समतुल्य श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्त किया गया है, इन में से जो भी पश्चात्पूर्वी हो।

(ङ) नियम 6 के उपनियम (1) के खंड (ग) के अंतर्गत आने वाले मामलों में ऐसे अधिकारियों की ज्येष्ठता आयोग के परामर्श से सरकार द्वारा नियत की जाएगी ”

सस्टीकारक ज्ञापन: (भारतीय सिविल लेखा सेवा (समूह “क”) भर्ती (संशोधन) नियम, 1992 के नियम 22 के उपनियम (2) के खंड (ग) को भूतलक्ष रूप से प्रभावी करने के संबंध में)।

भारतीय सिविल लेखा सेवा (समूह “क”) भर्ती नियम, 1977 के नियम 22 के उपनियम (3) का खंड (ग) नियम 6 के उपनियम (1) के खंड (ख) के उपबंधों के निबंधनों के अनुसार सेवा में नियुक्त किए गए अधिकारियों को, उसी वर्ष प्रतियोगी परीक्षा के द्वारा नियुक्त किए गए अधिकारियों से ज्येष्ठता में दो वर्ष की बरीयता देने का उपबंध करता है इससे सेवा के किसी भी व्यक्ति के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं. ए-12018/2/88/एम.एफ.सी.जी.ए./सुप “ए”/813]]

मीरा सचसेना, अपर महालेखा नियंत्रक

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Expenditure)

CONTROLLER GENERAL OF ACCOUNTS NOTIFICATION

New Delhi, the 24th April, 1992

G.S.R. 434(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Indian Civil Accounts Service (Group ‘A’) Recruitment Rules, 1977, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Civil Accounts Service (Group ‘A’) Recruitment (Amendment) Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Civil Accounts Service (Group ‘A’) Recruitment Rules, 1977,—

(a) in rule 6, for sub-rule (3) and the proviso thereto the following shall be substituted, namely:—

“(3) 33-1/3% of the total duty posts in the service excluding leave, training and

probationary reserves shall be filled in by promotion as referred to in clause (b) of sub-rule (1) and the remaining posts by competitive examination as mentioned in clause (a) of sub-rule (1);

Provided that the Government may with the previous approval of the Commission recruit candidates to the service by the methods referred to in clauses (c) and (d) of the sub-rule (1) and when recruitment is made under these clauses, the number of persons so recruited shall count against the percentage of vacancies to be filled under the method referred to in clause (a) of the sub-rule (1).";

(b) in rule 20 in sub-rule (1), for clause (i), the following shall be substituted, namely :—

"(i) Appointment by promotion to the Junior Time Scale of the Service shall be made in consultation with the Commission by selection on merit out of the eligible Pay & Accounts Officers Group 'B' of the Central Civil Accounts Service (Group 'B') who have put in not less than 5 years of service in that grade after appointment thereto on a regular basis, including past service rendered as Accounts Officer in the Indian Audit & Accounts Department or in the Chief Pay & Accounts Officer's organisation.";

(c) for rule 22, the following rule shall be substituted namely :—

"22. Seniority.—(1) The seniority inter se of the persons appointed to the service at the initial constitution of the service shall be the order in which they were placed in the Indian Audit & Accounts Service.

(2) The seniority inter se of the persons appointed to the Service after the initial constitution shall be determined in accordance with principles mentioned below:—

(a) Persons recruited on the result of a competitive examination conducted by the Commission in any year to posts in Junior Time Scale of the Service shall be ranked inter se in the order of merit in which they are placed at the examination on the basis of which they are recruited; those recruited on the basis of an earlier examination being ranked senior to those recruited on the basis of later examination :

Provided that the seniority of persons recruited through competitive examination held by the Commission :—

- (i) in whose case offers of appointment are revived after being cancelled; or
- (ii) who are not initially appointed for valid reasons but appointed after the appointments of candidates recruited on the basis of results of subsequent examination or examinations ;

shall be such as may be determined by the Government

(b) The seniority inter se of persons appointed by promotion to all grades of the Service shall be determined in the order of their position in the select list; those promoted on the basis of an earlier selection being ranked senior to those promoted on the basis of a later selection.

(c) Officers appointed to the service in terms of provisions of clause (b) of sub-rule (1) of rule 6 shall be given two years weightage in seniority vis-a-vis the officers appointed in the same year through competitive examination.

(d) Among the officers appointed through the competitive examination in a particular year and the promoted officers assigned to that year after allowing weightage in terms of clause (c), the later shall be placed en bloc below the junior-most direct recruit of that year.

(e) In the case of a person who is initially taken on deputation and absorbed later in terms of clause (c) of sub-rule (1) of rule 6, his seniority in the grade in which he is absorbed will normally be granted from the date of absorption. If he has, however, been holding already on the date of absorption the same or equivalent grade on a regular basis in the parent department, such regular service in the grade shall also be taken into account, in fixing his seniority subject to the condition that he will be given seniority from—

(A) the date he has been holding post on deputation, or

(B) the date from which he has been appointed on a regular basis to the same or equivalent grade in his

parent department, whichever is later.

- (f) In cases falling under clause (d) of sub-rule (1) of rule (6), seniority of such officers will be fixed by the Government in consultation with the Commission".

EXPLANATORY MEMORANDUM [REGARDING RETROSPECTIVE EFFECT OF CLAUSE (c) IN SUB-RULE (2) OF RULE 22 OF THE INDIAN CIVIL ACCOUNTS SERVICE (GROUP 'A') RECRUITMENT (AMENDMENT) RULES, 1992].

Clause (c) in sub-rule (2) of rule 22 of I.C.A.S. (Gr. 'A') Recruitment Rules, 1977 provides for two years weightage in seniority to officers appointed to the service in terms of provisions of clause (b) of sub-rule (1) of rule 6 vis-a-vis officers appointed in the same year through competitive examination. This will not affect the interests of any one in service adversely.

[No. A-12018/2/88/MF. CGA/Gr. 'A'-813]

MIRA SAXENA, Addl. Controller General
of Accounts